SET-3

Series GBM/2

कोड नं.
Code No. **2/2/3**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 100*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।*

(ii) *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(iii) *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *15*

कविता और संगीत में बहुत साम्य है । महाकवि मिल्टन ने, जो स्वयं संगीत का बहुत प्रेमी था, इन दोनों कलाओं को एक-दूसरे की बहन बताया है । कविता और संगीत दोनों गतिशील कलाएँ हैं । ये दोनों स्थिर रूप में एक बार ही ग्रहण नहीं की जातीं । प्रत्येक पंक्ति के साथ कविता का और स्वर के प्रत्येक आरोह और अवरोह के साथ संगीत का प्रभाव आगे बढ़ता है । एक चित्र को हम एक ओर से दूसरी ओर, दाहिने से बाएँ और ऊपर से नीचे जिस प्रकार चाहें देखकर एक-सा आनंद उठा सकते हैं, पर कविता और संगीत में गति आगे की ओर बढ़ती है, इससे आगे से पीछे लौटकर उलटी रीति से इन कलाओं का आनंद हम नहीं उठा सकते । फिर, कविता और संगीत दोनों ही ध्वनि और लय का उपयोग करते हैं, यद्यपि कविता की अपेक्षा संगीत में उनका कहीं अच्छा उपयोग होता है । इसका कारण यह है कि संगीत में केवल स्वर ही प्रयुक्त किए जाते हैं और इसलिए उसका माध्यम कहीं अधिक लचीला है । कविता में स्वर वर्णों के साथ व्यंजन मिलकर उसके माध्यम को कम लचीला बना देते हैं । दूसरी ओर कविता की विशेषता यह है कि शब्दों की सहायता से वह भावों को अधिक स्पष्ट रूप से प्रकट कर सकती है । संगीत जिस भाव को केवल स्वरों के संकेत मात्र से अवगत कराएगा, कविता उसे रूप देकर सामने खड़ा कर देने में समर्थ होती है । दूसरी बात यह है कि संगीत की अपेक्षा कविता का क्षेत्र कहीं अधिक विस्तृत है । संगीत कुछ भाव, कुछ मानसिक परिस्थितियों को ही प्रकट कर सकता है । संगीत द्वारा हर्ष, करुणा और विषाद की बड़ी अच्छी अभिव्यक्ति हो सकती है, किंतु बाह्य जगत् के चित्रण में संगीत का कोई हाथ नहीं । संगीत द्वारा हम किसी युद्ध-घटना का वर्णन नहीं कर सकते । कविता बाह्य और अंतर दोनों परिस्थितियों को प्रकट करने में समर्थ है । कविता के द्वारा कवि घटनाओं और पदार्थों का वर्णन उसी सुगमता से कर सकता है; जैसे — सुख, दुख, हर्ष, विस्मय, विषाद आदि भावों का ।

(क) कविता और संगीत को गतिशील कलाएँ क्यों कहा है ? *2*

(ख) कविता और संगीत की दो असमानताओं का उल्लेख कीजिए । *2*

(ग) किस माध्यम के द्वारा युद्ध और पदार्थ तथा सुख-दुख दोनों ही कला हो सकते हैं ? दूसरा माध्यम ऐसा क्यों नहीं कर पाता ? *2*

(घ) संगीत की अभिव्यक्ति की सीमाएँ क्या हैं ? *2*

(ङ) चित्र का आनंद उठाने में और कविता-संगीत का आनंद उठाने में क्या अंतर है ? *2*

(च) स्वरों और व्यंजनों के उपयोग में संगीत और कविता में क्या अंतर है ? *2*

(छ) आशय स्पष्ट कीजिए : "बाह्य जगत् के चित्रण में संगीत का कोई हाथ नहीं ।" *2*

(ज) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *1×5=5*

उन्नति तथा अवनति प्रकृति का नियम एक अखंड है,
चढ़ता प्रथम जो व्योम में गिरता वही मार्तंड है ।
अतएव अवनति ही हमारी कह रही उन्नति-कला,
उत्थान ही जिसका नहीं उसका पतन हो क्या भला ?
होता समुन्नति के अनंतर सोच अवनति का नहीं,
हाँ, सोच तो है जो किसी की फिर न हो उन्नति कहीं ।
चिंता नहीं जो व्योम-विस्तृत चंद्रिका का ह्रास हो,
चिंता तभी है जब न उसका फिर नवीन विकास हो ।।
हम कौन थे क्या हो गए हैं और क्या होंगे अभी
आओ विचारें आज मिलकर ये समस्याएँ सभी ।।

(क) उत्थान और पतन के नियम को कैसे समझाया गया है ?

(ख) अवनति के बारे में कब पश्चात्ताप नहीं होता और क्यों ?

(ग) कवि के विचार से शोचनीय स्थिति क्या है ?

(घ) हमें मिलकर क्या विचार करने की आवश्यकता है और क्यों ?

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए : 'उत्थान ही जिसका नहीं उसका पतन हो क्या भला ?'

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर निबन्ध लिखिए : *5*

(क) क्यों पढ़ूँ मैं हिन्दी

(ख) भारत का भविष्य

(ग) नर से बढ़कर नारी

(घ) आज की शिक्षा-पद्धति

4. कन्या-भ्रूणहत्या पर अपने विचार व्यक्त करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए और समाधान के दो उपाय भी सुझाइए । *5*

अथवा

बाढ़-पीड़ित क्षेत्रों में सहायता कार्य के लिए कुछ स्वस्थ युवा स्वयंसेवकों की आवश्यकता है । सचिव, गंगा-जमुनी सेवा संघ प्रयाग को अपनी रुचि और योग्यता का विवरण देते हुए एक आवेदन-पत्र लिखिए ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों का संक्षेप में उत्तर लिखिए : *1×5=5*

(क) 'समाचार' शब्द को परिभाषित कीजिए ।

(ख) इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की लोकप्रियता के दो कारण लिखिए ।

(ग) पत्रकारिता में द्वारपाल किन्हें कहा गया है ? क्यों ?

(घ) पत्रकारिता को 'लोकतंत्र का चौथा स्तंभ' क्यों कहा जाता है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) अपने प्रिय किसी हिन्दी समाचार-चैनल की एक विशेषता और एक कमी का उल्लेख कीजिए ।

6. 'सड़क-दुर्घटना का दारुण दृश्य' **अथवा** 'प्राकृतिक आपदा' पर एक आलेख लिखिए । *5*

7. 'किसी पर्यटन-स्थल का नैसर्गिक सौंदर्य' **अथवा** 'चुनाव-प्रचार की नई-नई विधियाँ' विषय पर एक फ़ीचर लिखिए । *5*

खण्ड ग

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×4=8*

रुद्ध कोष है, क्षुब्ध तोष
अंगना-अंग से लिपटे भी
आतंक अंक पर काँप रहे हैं ।
धनी, वज्र गर्जन से बादल !
त्रस्त नयन – मुख ढाँप रहे हैं ।
जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर,
तुझे बुलाता कृषक अधीर,
ऐ विप्लव के वीर !
चूस लिया है उसका सार,
हाड़ मात्र ही है आधार
ऐ जीवन के पारावार !

(क) धनिकों की जीवन-शैली और भय के कारणों पर टिप्पणी कीजिए ।

(ख) ग़रीबों की स्थिति का चित्रांकन अपने शब्दों में कीजिए ।

(ग) किसान अधीर क्यों है ? वह किस बादल को बुला रहा है ?

(घ) बादल को 'विप्लव का वीर' और 'जीवन का पारावार' क्यों कहा है ?

अथवा

तुम से ही परिवेष्टित आच्छादित
रहने का रमणीय यह उजेला अब
सहा नहीं जाता है
सहा नहीं जाता है ।
ममता के बादल की मँडराती कोमलता –
भीतर पिराती है
कमज़ोर और अक्षम अब हो गई है आत्मा यह
छटपटाती छाती को भवितव्यता डराती है
बहलाती सहलाती आत्मीयता बरदाश्त नहीं होती है ।।

(क) काव्यांश में 'तुम' कौन है ? आप ऐसा क्यों मानते हैं ?

(ख) प्रकाश कैसा है ? वह कवि को असहनीय क्यों हो गया ?

(ग) 'सहर्ष स्वीकारा है' कहने वाले कवि को आत्मीयता बरदाश्त क्यों नहीं होती ?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए : "ममता के बादल की मँडराती कोमलता" ।

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×3=6*

दारिद-दसानन दबाई दुनी, दीनबंधु !
साँकरे सबैं पै, राम ! रावरे कृपा करी ।

(क) काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) काव्यांश के अलंकार-सौंदर्य को समझाइए ।

(ग) काव्यांश की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए ।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3+3=6*

(क) 'छोटा मेरा खेत चौकाना' के आधार पर लिखिए कि 'रस का अक्षयपात्र' किसे कहा गया है और क्यों ।

(ख) तुलसीदास के संकलित अंश के आधार पर सोदाहरण प्रतिपादित कीजिए कि नारी के बारे में कवि की सोच परंपरागत और संकुचित है ।

(ग) "फ़िराक़ की रचनाओं में हिन्दी-उर्दू और लोक-भाषा का मिला-जुला प्रयोग है" — सोदाहरण प्रतिपादित कीजिए ।

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2×4=8*

शिरीष तरु सचमुच पक्के अवधूत की भाँति मेरे मन में ऐसी तरंगें जगा देता है जो ऊपर की ओर उठती रहती हैं । इस चिलकती धूप में इतना-इतना सरस वह कैसे बना रहता है ? क्या ये बाह्य परिवर्तन – धूप, वर्षा, आँधी, लू – अपने आप में सत्य नहीं हैं ? हमारे देश के ऊपर से जो यह मार-काट, अग्निदाह, लूट-पाट, ख़ून-ख़च्चर का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है ? शिरीष रह सका है । अपने देश का एक बूढ़ा रह सका था ? क्यों मेरा मन पूछता है कि ऐसा क्यों संभव हुआ ?

(क) शिरीष की तुलना अवधूत से क्यों की गई है ?

(ख) 'एक बूढ़ा' किसे कहा है ? वह कैसी परिस्थितियों में स्थिर रह सका ?

(ग) शिरीष और उस 'बूढ़े' के संदर्भ में कोमल और कठोर होने का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(घ) लेखक का मन जो पूछता है उसका उत्तर क्या होगा ?

12. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3×4=12*

(क) 'नमक' कहानी की तीन विशेषताओं पर टिप्पणी कीजिए जिनके कारण वह रोचक बन पड़ी है ।

(ख) डॉ. आंबेडकर के दासता-संबंधी विचारों को स्पष्ट कीजिए ।

(ग) हजारीप्रसाद द्विवेदी ने 'शिरीष' के माध्यम से नेताओं पर क्या व्यंग्य किया है ? स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'भक्तिन' और महादेवी जी के पारस्परिक संबंधों की तीन विशेषताएँ लिखिए ।

(ङ) 'बाज़ार-दर्शन' में 'पर्चेज़िंग पावर' को विनाशक शक्ति क्यों माना गया है ? बाज़ार को सार्थकता कौन दे सकता है ?

13. जीवन-मूल्यों की दृष्टि से 'जूझ' कहानी के कथानायक और उसके अध्यापक की विशेषताओं की चर्चा कीजिए । *5*

14. (क) "यशोधर पंत अतीतजीवी हैं, ऐसे लोग समय की दौड़ में पिछड़ जाते हैं ।" — पक्ष या विपक्ष में अपने विचार तर्क-सहित दीजिए । *5*

(ख) ऐन फ्रेंक और उसके मित्र के स्वभाव पर चर्चा कीजिए । *5*